।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

• विक्रम संवत 2080 माघ कृष्ण पक्ष षष्ठी, 1 फरवरी से 15 फरवरी 2024 , 1 February to 15 February 2024, • वर्ष 3 (Year-3), • अंक 53 • पृष्ठ 4 (Page-4) • मूल्य रु.2 (Price 2/-)

ब्रिगेडियर आरके सिंह ने बंगाल में लगातार दूसरे साल गणतंत्र दिवस परेड का किया नेतृत्व

कोलकाता : गणतंत्र दिवस परेड का हिस्सा बनना हर किसी के लिए गर्व का क्षण होता है। झारखंड के धनबाद निवासी भारतीय सेना में ब्रिगेडियर राज कुमार सिंह उन गिने-चुने सैन्य अधिकारियों में हैं, जिन्होंने बंगाल में गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह पर लगातार दूसरे साल मुख्य परेड का नेतृत्व किया। 75वें गणतंत्र दिवस पर कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड पर आयोजित मुख्य समारोह में राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस द्वारा झडोत्तोलन के बाद परेड के दौरान एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गईं, जो आकर्षण का केंद्र रहा। इस पूरे परेड का नेतृत्व ब्रिगेडियर सिंह ने किया। सेना के बंगाल सब एरिया के डिप्टी जनरल आफिसर कमांडिंग (डिप्टी जीओसी) के पद पर कार्यरत ब्रिगेडियर सिंह ने रेड रोड पर आयोजित भव्य समारोह में लगातार दूसरे वर्ष परेड कमांडर की भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में परेड के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों सेना, नौसेना व वायुसेना की टुकड़ियों के अलावा कोलकाता पुलिस, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों व कई स्कूलों द्वारा मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गईं, जिसमें बंगाल की समृद्ध विरासत की अद्भुत झलक देखने को मिली। सेना की टुकड़ियां ने इस दौरान स्वदेशी पिनाका राकेट सिस्टम व अत्याधुनिक राकेट लांचर से लेकर एम 70 एंटी एयरक्राफ्ट गन, अल्ट्रा लाइट हावित्जर तोप आदि का प्रदर्शन कर इसके जरिए अपने शौर्य व क्षमता का परिचय किया। इस साल भी 30 से ज्यादा झांकियां प्रदर्शित की गई। रेड रोड पर परेड देखने के लिए इस साल भी राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोगों की भारी भीड़ उमड़ी थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके कैबिनेट सहयोगी, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी सहित पुलिस और तीनों सेनाओं एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों व अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

राज्यपाल ने रेड रोड पर फहराया राष्ट्रीय ध्वज, धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

कोलकाता : राजधानी कोलकाता सहित पूरे बंगाल में 75वां गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने कोलकाता के रेड रोड पर आयोजित मुख्य समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इस दौरान सेना के हेलीकाप्टर से पुष्प वर्षा भी की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके कैबिनेट सहयोगी, पुलिस और तीनों सेनाओं एवं राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों व अन्य गणमान्य लोगों सहित स्कूली बच्चे मौजूद थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी, मंत्री फिरहाद हकीम और चंद्रिमा भट्टाचार्य आदि उपस्थित थे। राज्यपाल ने प्रदेश वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। झंडोत्त-ोलन के बाद रेड रोड पर परेड के दौरान एक से बढ़कर एक मनमोहक झांकियां प्रदर्शित की गई, जो आकर्षण का केंद्र रहा। भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों सेना, नौसेना व वायुसेना की टुकड़ियां के अलावा कोलकाता पुलिस, राज्य सरकार के विभिन्न विभागों व स्कूलों सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों द्वारा झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिसमें बंगाल की समृद्ध विरासत की झलक देखने को मिली।

शाम में राजभवन में एट होम रिसेप्शन समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री सहित अन्य विशिष्ट लोग शामिल हुए।

हावड़ा में आरएनएस अकादमी के वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन

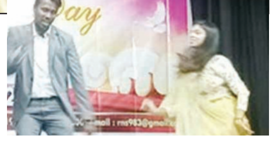

हावड़ा : आरएनएस अकादमी की ओर से वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन हावड़ा के शरद सदन हॉल दो में किया गया इस कार्यक्रम में उपस्थित थे प्रतीभा सिंह एवं कई विशिष्ट समाजसेवी व अन्य गणमान्य व्यक्ति, कार्यक्रम का उद्घाटन गणेश वंदना के साथ की गई, जिसमें स्कूल के छोटे-छोटे बच्चों ने काफी उत्साहजनक प्रदर्शन किया इसके बाद विशिष्टजनों का सम्मान किया गया और फिर कार्यक्रम की शुरुआत की गई कार्यक्रम में स्कूल के प्रत्येक वर्ग से चुनिंदा बच्चों को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें तरह-तरह के गाने पर बच्चों को थिडकते देखा गया साथ ही इस कार्यक्रम के दौरान स्कूल के शिक्षक और शिक्षिकाओं ने भी अपने अच्छे हुनर को दिखाते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के अंत में अकादमी के कर्णधार पूजा सिंह ने अपने वक्तवयों से हॉल में उपस्थित बच्चों व उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए उत्साह बढ़ाया साथ ही भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने भी जमकर कार्यक्रम का आनंद लिया और इस तरह से स्कूल के द्वारा किए गए कार्यक्रम की सराहना किए।

प्रिंसिपल डॉली जयसवाल ने सभी अतिथियों एवं अभिभावकों को धन्यवाद ज्ञापन देते हुए कहा कि आरएनएस अकादमी हावड़ा ही नहीं, बल्कि बिहार में भी पिछले कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही है।

प्रदूषण कम करने को लेकर दक्षिण-पूर्व रेलवे और राज्य सरकार की संयुक्त पहल

हावड़ा-संतरागाछी झील के आसपास इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट पर मंथन शुरू

हावड़ा : इस बार राज्य सरकार और रेलवे के शीर्ष स्तर पर इस बात पर चर्चा शुरू हो गई है कि संतरागाछी झील के आसपास इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट विकसित किया जा सकता है या नहीं। इस झील के प्रदूषण से जुड़ा मामला लंबे समय से राष्ट्रीय पर्यावरण न्यायालय में चल रहा है। लेकिन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित करने के लिए भूमि अधिग्रहण, प्रदूषण कम करने के लिए रेलवे भूमि से अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने सहित कई मुद्दों पर राज्य-रेलवे दबाव को छोड़कर कोई खास प्रगति नहीं हुई है।

इस कारण से, पर्यावरण न्यायालय ने संतरागाछी झील के प्रदूषण को कम करने के लिए राज्य के मुख्य सचिव और रेलवे प्रतिनिधियों के नेतृत्व में एक समिति के गठन का आदेश दिया। प्रशासन के सूत्रों के मुताबिक, उस समिति की बैठक में राज्य पर्यटन विभाग और रेलवे के आपसी सहयोग से झील पर केंद्रित इको-टूरिज्म प्रोजेक्ट आया था। प्रॉजेक्ट पर प्रॉफिट एंड लॉस शेयरिंग (राजस्व शेयरिंग मॉडल) के आधार पर चर्चा की गई। नवान्न सूत्रों के मुताबिक यह भी पता चला है कि रेलवे एसटीपी बनाने के लिए जमीन देगा अदालत के आदेश के अनुसार रेलवे और राज्य निर्माण की लागत साझा करेंगे। फिर, राज्य जैव विविधता बोर्ड झील के कूड़े को साफ करने और झील-केंद्रित वनस्पति के प्रबंधन में मदद करेगा। इसके अलावा राज्य झील की नियमित सफाई, वहां ठोस और प्लास्टिक कचरे की सफाई की जिम्मेदारी लेगा दूसरी ओर, रेलवे द्वारा झील सड़कों का विकास और नए कब्जेदारों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

हालांकि मामले के याचिकाकर्ता सुभाष दत्त कहते हैं, पिछले सात सालों में कई बैठकें, कई फैसले लिए गए हैं। लेकिन झील की दुर्दशा ख़त्म नहीं हुई। इस बार भी जब तक बैठक में अपनाये गये प्रस्ताव पर अमल नहीं होगा, झील का प्रदूषण कम होने की कोई उम्मीद नहीं है।

हालांकि स्थानीय प्रशासन अपने पूरे दम पर संतरागाछी झील में पनप रहे प्रदूषण को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प है। वैसे स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है तो स्थानीय स्तर पर कुछ लोगों को रोजी रोटी से जुड़े सवाल खत्म हो जाएंगे।

सैन्य पुल की मरम्मत शुरू

हावड़ा : द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए उलुबेरिया-मेदिनापुर नहर पर एक पुल बनाया गया था। इसे स्थानीय तौर पर मिलिट्री सेतु के नाम से जाना जाता है। रखरखाव के अभाव में पुल की अवस्था खराब हो गई थी। इस पुल की मरम्मत के लिए हाल ही में राज्य सरकार के कार्य विभाग ने लगभग 60 लाख रुपये आवंटित की है। राज्य निर्माण मंत्री और उलुबेरिया दक्षिण केंद्र के विधायक पुलक रॉय ने कहा, सैन्य पुल ऐतिहासिक है। अब इसकी मरम्मत की जा रही है। एक ओर जहां परंपरा कायम रहेगी, वहीं दूसरी ओर ट्रैफिक जाम भी थोड़ा कम हो जाएगा। उलुबेरिया के रहने वाले इतिहासकार प्रोफेसर मोहम्मद अब्दुल्ला ने बताया कि 1943 तक सैनिकों की जीपें और छोटी कारें बजबज से नाव के जरिए उलुबेरिया आती थीं वे ओटी रोड से होते हुए मेदिनीपुर कलाईकुंडा पहुंचते थे। उसी समय जवानों ने तेजी से महज तीन महीने में मेदिनीपुर नहर पर यह पुल बना डाला था। इसके बाद से कभी-कभी छिटपुट मरम्मत का कार्य हो जाता था। लेकिन यह अब पूरी तरह से जर्जर हो गया था।

मैथिली सीरियल, गरीबक रोटी की शुटिंग हुई शुरू गंगद्धार मे

मैथिली सीरियल गरीबक रोटी की शुटिंग गंगद्वार मे शुरु हो गई हैं। इस सीरियल का निर्माण कर्ता:- नवीन पुजारी,निर्देशक :- प्रमोद बिहारी,कैमरा मैन:- हरी शंकर राधे,लेखक:- नवीन कुमार,विशेष सहयोग:- कल्याण जी महेन्द्र माही,रमण साफी,फिरोज मंसुरी, सुभाष साहू,जय प्रकाश जे पी,वी एन यादव,अजय साहू,अंकिल अंसारी, राजीव यादव,अनिल साहू का है। प्रमोद कुमार साहू के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई हैं की नवीन पूजारी निधि साहू के साथ शुटिंग स्थल पर पहुंचकर अपने सीरियल,गरीबक रोटी की शुटिंग आरंभ कर दिये हैं इस सीरियल मे अब एक नया दृश्य दिखाई देगा मिथिलांचल के दर्शकों को मिथिलांचल की दुनिया में आज के दौरान मे मधुबनी दरभंगा के कलाकार नही के बराबर गांव देहात मे सीरियल की शुटिंग कर रहे हैं लेकिन नवीन पूजारी ने यह साबित कर दिया कि ,जहा चाह वही राह ,इसी इच्छा को दिल में लेकर चलते हुए मिथिलांचल के कलाकार नवीन पूजारी ने अपनी,बुलंदियों को आज हासिल कर लिया है और बेहतर तरीके से आज मधुबनी जिले का अंधराठाढ़ी

प्रखण्ड के गंगद्वार मे अपनी विजय पताको,स्थापित कर दिया है । वही इनके साथ मिथिलांचल के बेहतरीन सोसल मीडिया पर ब्लोग विडियो के जरिए अपना कलाकारी से सुर्खियां बटोरने वाली निधि साहू भी अपनी कलाकारी की प्रचंड जलवा बिखेरने के लिए शुटिंग स्थल पर पहुंचकर अपना अभिनय किया, नवीन पूजारी ने बताया मैथिली सीरियल गरीबक रोटी का हर एपिसोड का सुंटिग लगातार अपडेट रहेगा और सुंटिग का एपिसोड फाइनल होते ही मैथिली सीरियल युटुब चैनल पर रिलीज होगा जबकि इस सीरियल की आज का शुटिंग जल्द बेहतरीन तरीके से सम्पन्न हो जायेगी और युटुब चैनल मैथिली सीरियल पर आने के लिए तैयार हो जायेगी।

सेवानिवृत कर्मचारियों को निगम नहीं दे रही पेंशन

विरोध में निकाला जुलूस

हावड़ा : हावड़ा नगर निगम में सेवानिवृत कर्मचारियों ने पेंशन की बकाया रकम को लेकर जुलूस निकाला। आरोप है कि पिछले पांच वर्षो से उन्हें सेवानिवृत होने के बाद भी पीएफ, ग्रेचुएटी जैसे रकम नहीं दे रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हावड़ा नगर निगम में कुल सेवानिवृत कर्मचारियों की संख्या 765 है, जिनका पीएफ जैसी रकम बाकी है। उन्हें उनका पैसा सरकार नहीं दे रही है। यहां तक कि सरकारी नियम के अनुसार ड्यूटी के दौरान मारे गए कर्मचारियों के स्थान पर उनके परिवार के किसी एक सदस्य को नौकरी भी नहीं दी जा रही है। कई मुद्दों को लेकर निगम के अधिकारियों से बार-बार शिकायत की गई लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इसलिए, एक बार फिर जुलूस निकालकर अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं निगम के सेवानिवृत कर्मचारी। बुधवार को निकाले गए इस जुलूस के बाद वित्त विभाग के अधिकारी को एक ज्ञापन भी सौपा गया। इस आंदोलन को देखते हुए पूरे निगम परिसर में पुलिस द्वारा सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी की गई थी। श्यामल कुमार राय नामक एक सेवानिवृत कर्मचारी ने बताया कि जो अपने पिता की मौत के बाद नौकरी पाने के अधिकारी हैं, उन्हें एक अस्थायी तौर पर नौकरी देकर 10 हजार रुपए वेतन पर नौकरी कराई जा रही है।

विधायक ने की अस्पताल प्रशासन बैठक

हावड़ा : उत्तर हावड़ा के आईडी अस्पताल में अस्पताल प्रशासन के अधिकारियों संग उत्तर हावड़ा के विधायक गौतम चौधरी ने एक बैठक की। इस बैठक में अस्पताल के चिकित्सक, नर्स व कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा इस बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे। सत्यबाला आईडी अस्पताल के परिसेवा कैसे और उन्नत की जाए, इसे लेकर बातचीत की गई।

डोमजूर के माकरदह में विद्यालय की बदहाली ने राज्य सरकार के शिक्षा निति की खोली पोल

शिक्षकों की कमी से स्कूल में लग गया ताला

हावड़ा : राज्य में एक पर एक सरकारी विद्यालय बंद हो रहे हैं। डोमजूर में भी एक स्कूल में ताला लटक रहा है। मालूम हो कि शिक्षकों की संख्या इतनी कम हो गयी थी कि उनकी कमी के कारण पठन-पाठन बंद हो गया है। एक ओर जहां राज्य में शिक्षकों की नियुक्ति की मांग चल रही है, वहीं हावड़ा के डोमजूर के माकरदह में एक स्कूल शिक्षकों की कमी के कारण बंद हो गया है। स्कूल के बंद हो जाने से स्थानीय लोगों में सरकार के प्रति विरोध उभर रहा है। सन 2003 में, डोमजूर ब्लॉक में शामिल माकरदह नंबर 2 पंचायत क्षेत्र में पेरातुंगी गांव के नाम पर पेरातुंगी माध्यमिक शिक्षा केंद्र बनाया गया था। गांव के कुछ दयालु लोगों ने स्कूल बनाने के लिए जमीन दे दी थी। ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षकों के अभाव में विद्यालय बंद हो रहा है। विद्यार्थियों को स्थानांतरण प्रमाण पत्र दिए गए पहले यह विद्यालय आठवीं कक्षा तक था। सेकेंडरी तक करने की कोशिश किया जा रहा था लेकिन इसी बीच यह बंद हो गया। अब विद्यालय परिसर लगभग खाली हो गया है। यहां सिर्फ मवेशियों की भीड़ रहती है। शेख ज़हीर नाम के एक अभिभावक ने कहा, स्कूल अच्छा चल रहा था। गांव के करीब तीन सौ बच्चे पढ़ रहे थे। एक समय इस स्कूल में कई नेता और मंत्री अलग-अलग मौकों पर आते थे। कईयों ने आश्वासन दिया है। लेकिन अब सब व्यर्थ है। पहले छह शिक्षक थे। 2018 के बाद से महिला शिक्षकों की संख्या घटती जा रही थी और अंततः एक तक पहुंच गई है। कोई नई भत नहीं हो रही थी। इसलिए इसे बंद कर दिया गया। स्कूल के पूर्व छात्र ताज मोहम्मद ने कहा, बहुत बुरा लगता है। माकरदह -2 नंबर ग्राम पंचायत प्रधान तनुश्री कर्मकार ने कहा कि वह स्कूल खोलने के लिए विधायक और प्रशासन से बात करेंगी।

307 बाल शिक्षा केंद्र थे जो वर्तमान में घटकर 241 रह गयी

डोमजूर केंद्र के विधायक कल्याण घोष ने कहा, स्कूल सर्व शिक्षा मिशन योजना के तहत था। अब और नहीं। लेकिन मैंने शिक्षा मंत्री से अपील की है ताकि स्कूल खोला जा सके। हालाँकि, वामपंथियों ने स्कूल बंद करने को अच्छा नहीं माना सीपीआईएम हावड़ा जिला सचिव दिलीप घोष ने कहा, राज्य भर में कई प्राथमिक विद्यालय बंद कर दिए गए हैं। सब कुछ बंद हो गया है। यहां केवल लूटने की जगहें होंगी

हालांकि शिक्षा के नारे के अनुरूप गांवों में शिक्षा का प्रसार करने के लिए राज्य के पंचायत क्षेत्रों में एसएसके या बाल शिक्षा केंद्र (प्राथमिक तक) और एमएसके (माध्यमिक शिक्षा केंद्र, आठवीं कक्षा तक) की स्थापना की गई है। हावड़ा जिले के एमएसके कार्यालय के अनुसार, हावड़ा जिले में 307 बाल शिक्षा केंद्र थे। वर्तमान में यह घटकर 241 रह गयी है। इसके अलावा, माध्यमिक शिक्षा केंद्र 27 हालांकि इनमें से कई स्कूल अच्छे से चल रहे हैं, कई स्कूल विफल हो रहे हैं, केवल नए शिक्षकों की भर्ती नहीं की जा रही है।

राज्य के दो जिलों में शुरू हुआ जॉब कार्ड धारकों के सत्यापन का काम

हुगली जिले में में श्रमिकों के वेतन, उपकरण आदि के क्षेत्र में 275 करोड़ रुपये बकाया

हावड़ा/हुगली : मुख्यमंत्री ममता बनज ने हाल ही में घोषणा की कि राज्य सरकार 100-दिवसीय कार्य योजना के तहत बकाया वेतन का भुगतान करेगी इस घोषणा के बाद दो जिलों (हावड़ा और हुगली) में संबंधित प्रशासनिक गतिविधियां शुरू हो गयी हैं। हावड़ा जिला प्रशासन सूत्रों के अनुसार प्रत्येक ब्लॉक को निर्देश भेज दिये गये हैं। हुगली में श्रमिकों की ड्राफ्ट सूची का घर-घर सत्यापन शुरू हो गया। उस केंद्रीय परियोजना का काम इस राज्य में दो साल से बंद है। राजनीतिक तनाव के बीच मुख्यमंत्री ने यह घोषणा की। विभिन्न ग्राम पंचायतें पहले ही श्रमिकों को देय मजदूरी के दिनों की संख्या के लिए फंड ट्रांसफर ऑर्डर (एफटीओ) केंद्र को भेज चुकी हैं। उसके आधार पर वेतन का पैसा सीधे जॉब कार्ड धारकों के बैंक खाते में जाना चाहिए। लेकिन प्रशासन सूत्रों के मुताबिक ऐसा नहीं हुआ हावड़ा जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि राज्य जॉब कार्ड धारकों के नाम पर एफटीओ का सत्यापन करने के बाद ही उनकी मजदूरी का भुगतान करेगा। प्रशासनिक अधिकारी के शब्दों में, राज्य सरकार पैसा देने में कोई गड़बड़ी नहीं करना चाहती। इसका सत्यापन इस तरह किया जाएगा कि कोई सवाल नहीं उठा सके। जिला प्रशासन सूत्रों के मुताबिक जिन लोगों के नाम एफटीओ में हैं उनके जॉब

कार्ड, आधार कार्ड, फोन नंबर और बैंक अकाउंट नंबर की जांच की जाएगी जब तक इनके काम करने की बात कही जा रही है, वास्तव में ऐसा हुआ या नहीं, जरूरत पड़ने पर इसकी भी जांच की जाएगी हुगली में उस सत्यापन की समय सीमा 15 फरवरी तय की गई है। जिला प्रशासन ने बताया कि प्रति पंचायत तीन से चार टीम बनाकर काम शुरू कर दिया गया है। प्रखंड प्रशासन को सत्यापन चरण पूरा कर 18 फरवरी तक अंतिम वेतन भुगतान सूची तैयार करनी है। बैंकवार भुगतान की व्यवस्था 19 फरवरी तक पूरी कर ली जाए जिले में 8 लाख 74 हजार 176 लोगों के पास जॉब कार्ड हैं। हुगली जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा, 21 दिसंबर 2021 से इस जिले में श्रमिकों के वेतन, उपकरण आदि के क्षेत्र में 275 करोड़ रुपये बकाया हैं। उनमें से अकुशल श्रमिकों की पहचान की जाएगी और उनके बकाये का भुगतान किया जाएगा उन्होंने कहा कि निर्धारित समय के अंदर कार्य कराने की देखरेख की संपूर्ण जिम्मेदारी उपमंडल प्रशासक की है। उनके ऊपर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट होता है जो जिले के 100 दिवसीय कार्य परियोजना का प्रभारी होता है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने भी इस मुद्दे पर प्रचार-प्रसार और जागरूकता पैदा करने के निर्देश दिये हैं।

हावड़ा के कई ब्लॉक प्रशासन ने बताया कि काम में समय लगता है। हालांकि राज्य प्रशासन के शीर्ष स्तर से सत्यापन कार्य में तेजी लाने का दबाव है। इसीलिए प्रखंड कर्मियों व अधिकारियों के साथ पंचायत कर्मियों को भी जोड़ा गया है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि समय भले ही कम है, लेकिन सत्यापन का काम यथासंभव पूर्ण करना होगा। यह निर्देश प्रखंड प्रशासन को दिया गया है।

बीएसएफ के पूर्वी कमान मुख्यालय में दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

कोलकाता : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने वर्ष 1965 में अपनी स्थापना के बाद से ही बहादुरी और व्यावसायिकता के अनुकरणीय मानकों को बनाए रखते हुए हमेशा अपनी सेवाएं राष्ट्र को समर्पित की है।इसी क्रम में कोलकाता के लार्ड सिन्हा रोड स्थित बल के मुख्यालय विशेष महानिदेशक, पूर्वी कमान के प्रांगण में गुरुवार को डा आर अहमद डेंटल कालेज एवं हास्पिटल, कोलकाता के सौजन्य से एक डेंटल चिकित्सा कैंप (मोबाइल क्लिनिक के साथ) आयोजित किया गया।डेंटल कालेज के अधीक्षक डा तीर्थंकर देवनाथ एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा प्रियंका यादव की उपस्थिति में आयोजित इस मेडिकल कैंप में दंत चिकित्सकों की टीम ने इस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवानों तथा परिवारजनों को लेकर 70 से अधिक कार्मिकों की दंत संबंधी समस्याओं की मुफ्त में जांच की। बीएसएफ ने एक बयान में बताया कि चिकित्सकों की टीम ने बारीकी से कार्मिकों के दांतों की जांच के साथ उनका निवारण के लिए दवा एवं जरूरी उपाय बताए।

ईआरएमसी शाखा-2 के सचिव की विदाई

हावड़ा : ईस्टर्न रेलवे मेंस कांग्रेस हावड़ा शाखा-2 के सचिव कपिल मुनि पांडेय के 31 जनवरी के सेवानिवृत हो जाने के बाद बुधवार को विदाई समारोह का आयोजन संगठन की ओर से यूनियन कार्यालय में किया गया था। इस मौके पर कपिल मुनि पांडेय का माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर ईआरएमसी के अध्यक्ष विनोद शर्मा, महासचिव सपन दत्ता, विंध्याचल तिवारी, संतोष भारती, रजत बसु, आर्यान कुमार और वरुण कुमार के अलावा संगठन के अन्य कई नेतागण उपस्थित थे।

गैरेज से चोरी हुआ टोटो

हावड़ा : बेंटरा थानांतर्गत डब्लू रोड स्थित एक गैराज से दो टोटो की चोरी से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी तब हुई जब गैरेज का मालिक गैरेज खोलने के लिए सुबह पहुंचा घटना की शिकायत बेंटरा थाने में दर्ज कराई गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार गैरेज से दो नए टोटो की चोरी हुई है। पुलिस का कहना है कि गैरेज का ताला तोड़कर टोटो की चोरी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस गैरेज में रोज टोटो का गैरेज होता है। सुबह सात बजे जब टोटो मालिकों को पता चला कि उनके टोटो चोरी हो गए हैं, तब उन्होंने पुलिस को इस घटना की खबर दी। बेंटरा थाना की पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है।

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने किया उद्घाटन

कुमार गौरव : बेनीपट्टी के चैनपुरा बसैठ स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने रिबन कटकर दीप प्रज्वलित करने के बाद किया। तीन दिवसीय सेमिनार में उद्घाटन के अवसर पर एसके न्यास के न्यासी संत कुमार चौधरी ने राज्यपाल को मिथिला की परम परागत पाग, डोकटा और मखान की माला से स्वागत किया। कृषि ,शिक्षा एवम स्वास्थ्य अमृत महोत्सव एण्ड मेगा एक्सपो अंतराष्ट्रीय सेमिनार शुरू हो गया है । सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर किसानों को संबोधित करते हुए राज्यपाल महोदय ने किसानों को खेती में हो रहे नुकसान और खेत की उर्वरक क्षमता खत्म होने को लेकर परम परागत खेती की ओर जागरूक किया। इसमें 40 देशों के शिक्षा ,स्वास्थ्य और कृषि से जुड़े प्रतिनिधि पहुंचे । सेमिनार में भारत एवम बिहार सरकार के कृषि विभाग के अधिकारी भी कर रहे है ,शिरकत वहीं विभिन्न राज्यों के भी मंत्री ,सांसद ,विधायक विधान पार्षद भी पहुंचे। सेमिनार में चार दर्जन से ज्यादा स्टॉल बनाए गए, जहा मिथिला , मधुबनी के विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया जा रहा है। महामहिम ने सेमिनार में किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि फर्टिलाइजर के कारण हमारी भूमि की उर्वरक छमता खत्म हो रही है। इसे कायम रखने हेतु पारंपरिक व प्राकृतिक संसाधनों का खाद के रूप में उपयोग कर खेती करने के बारे में जानकारी दी । सेमिनार में भारत सरकार के अधिकारी हुकुम सिंह मीना, दरभंगा विश्वविद्यालय के कुलपति, संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति, मधुबनी पूर्व सांसद हुकुमदेव नारायण यादव, डीएम, एसपी,राजद के जिला अध्यक्ष रामाशीष यादव सीएस, डीएओ सहित कई अधिकारी मौजूद थें।

मानकों को ताक पर रख नियमों को रौंदते दौड़ा रहे नाव

दुर्घटना के बाद भी नहीं चेते नाव के माझी और यात्री

हावड़ा : रूपनारायणन में नाव पलट गई थी। आरोप था कि नियम-कायदों को ताक पर रखकर यात्रियों को नाव से पार कराया जा रहा है। हालांकि, शुक्रवार को यह भी देखा गया कि बागनान के मानकुर घाट से यात्रियों को लेकर मोटर चालित नावें चल रही थीं किसी भी यात्री के पास लाइफ जैकेट नहीं है।

कुछ साल पहले, हुगली के भद्रेश्वर में तेलीनिपाड़ा में अस्थायी घाट के ढहने से कई लोगों की मौत के बाद, राज्य प्रशासन ने घोषणा की थी कि उन सभी घाटों पर जहां यात्री-नावें चलती हैं, प्रत्येक यात्री को लाइफ जैकेट पहनाना चाहिए। हावड़ा के मामले में देखा गया है कि घोषणा सिर्फ कागजों में ही रह गयी। हावड़ा जिले के कई घाटों से प्रतिदिन हजारों लोग यात्रा करते हैं। आरोप है कि कहीं भी लाइफ जैकेट का प्रयोग नहीं किया जाता है। शनिवार को बागनान के मानकुर घाट पर देखा गया कि यात्री मोटर चालित नाव से पश्चिम मेदिनीपुर

के दूधकुमरा घाट की ओर जा रहे थे। जिस नाव में 30 लोग सवार थे, उससे अधिक यात्री सवार हो गए पिछले दिन की दुर्घटना के कारण उस दिन प्रशासन के कई लोग उस घाट पर मौजूद थे। लेकिन इससे यात्री सुरक्षा नहीं बढ़ी। जिला उपाध्यक्ष अजय भट्टाचार्य ने कहा, जिला परिषद के सभी घाटों का हर तीन माह में निरीक्षण किया जाता है। हर स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए लाइफ जैकेट उपलब्ध कराए जाते हैं। कुछ यात्री वह जैकेट पहनना नहीं चाहते हर यात्री लाइफ जैकेट पहने, इसके लिए जिला परिषद की ओर से सख्त कार्रवाई की जायेगी। गौरैया सीजन के दौरान प्रशासन की नजरों से बचकर कई जगहों पर बोटिंग होती है। वह सब बंद हो जाएगा।

जब रूपनारायण में नाव पलटी तो ब्रजगोपाल मंडल और स्वपन वर्णम नाम के दो मछुआरे मानकुर घाट पर बैठे थे। उन्होंने बताया कि अचानक उन्होंने रूपनारायण के बीच नाव पर किसी को देखा और मोबाइल फोन की लाइट जलाकर उन्हें बचाने के लिए मदद मांग रहा था। बिना कुछ सोचे-समझे वे मछली पकड़ने वाली नाव लेकर निकल पड़े मछुआरों के मुताबिक छोटी नाव में 18 यात्रियों को ले जाना नाविक की गलती थी। उस नाव में उतनी सामान ढोने की क्षमता नहीं है। आम लोगों ने नदी पर प्रशासन की निगरानी पर सवाल उठाये हैं। एक स्थानीय निवासी ने कहा, भटोरा हावड़ा जिले का एकमात्र द्वीप है। बागनान और जयपुर से आपको नदी के रास्ते इन द्वीपों तक जाना होगा। इसके अलावा, कई लोग हर दिन मानकुर से नदी पार करके पश्चिम मेदिनीपुर के विभिन्न स्थानों पर जाते हैं। प्रशासनिक पर्यवेक्षण की आवश्यकता है।

हावड़ा ग्रामीण जिला पुलिस ने इसे मानने से इनकार कर दिया। जिले के एक पुलिस अधिकारी ने कहा, नदी घाटों पर नियमित रूप से निगरानी की जाती है। तब से और अधिक निगरानी की जाएगी।

आनेवाली नई टॉलीवुड फिल्म 'सादा रोंगेर पृथिबी' के जबरदस्त ट्रेलर की हुई ग्रैंड लॉन्चिंग

कोलकाता : राजोश्री दे की नई आनेवाली टॉलीवुड फिल्म 'सादा रोंगेर पृथिबी' इस देश में विधवा महिलाओं की तस्करी पर आधारित सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्म है। इस थ्रिलर फिल्म में काशी में इससे जुड़ी घटनाओं को फिल्म प्रेमियों के सामने लाने की कोशिश की गई है। जो अभी भी अनेकों विधवा महिलाओं लिए एक पसंदीदा स्थान बन गया है। एक अद्भुत और सच्ची घटना पर बनी कहानी का ट्रेलर लॉन्च दक्षिण कोलकाता के साउथ सिटी मॉल में स्थित आईनॉक्स में आयोजित किया गया। यह फिल्म आगामी 23 फरवरी को रिलीज हो रही है। इस मौके पर डॉ. शशि पांजा (वाणिज्य और उद्यम तथा महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण विभाग की प्रभारी मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार), सोहिनी शास्त्री (भविष्य वक्ता और उप-चारकर्ता), मधुजा बनर्जी (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, फिक्शन कलर्स हिंदी और वायाकॉम 18 मीडिया प्राइ-वेट लिमिटेड), अमित अग्रवाल (प्रख्यात फिल्म निर्माता), राजोश्री दे (निर्देशक) के साथ 'सादा रोंगेर पृथिबी' की पूरी स्टार कास्ट इस मौके पर मौजूद थे। विधवा तस्करी पर बनी पूरे भारत में यह पहली ऐसी फिल्म है, जो अब तक किसी अन्य भाषा में नहीं बनी है। इस फिल्म की कहानी वाराणसी में विधवाओं की बेरंग दुनिया को लेकर बनी है, जिनका जीवन उनकी सफेद साड़ियों की तरह फीका और बेरंग हो गया है। इस फिल्म की कहानी में उन आपराधिक मास्टरमाइंडों की कुकृत्तियों को भी दर्शाया गया है, जो इन दुर्भाग्यपूर्ण जीवन जी-नेवाली महिलाओं का शोषण करते हैं। इस फिल्म में ट्विस्ट तब आता है, जब एक युवा पुलिस अधिकारी इन विधवा महिलाओं के आश्रय स्थल की जांच करने के लिए आती है। जांच के लिए इन सब विधवा महिलाओं के बीच वह पुलिस अधिकारी रहना शुरू करती है, वह उन खतरों से अनजान रहती हैं, जो फिल्म में आगे उसका इंतजार कर रहे होते हैं। क्या वह समाज की इस अनद-खी बुराई से लड़ने के अपने प्रयास में राजनीतिक दबावों और अन्य खतरों के बीच सफल होगी? इस फिल्म में छिपा यह पूरा सस्पेंस फिल्म के रिलीज होने पर स्पष्ट होगा। आदर्श टेलीमीडिया और अमित अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत और सुशांत सेनगुप्ता, श्रावणी पाल, राजोश्री दे द्वारा निर्मित इस फिल्म में बंगाल के 19 शीर्ष कलाकारों ने अपनी अभिनय की प्रतिभा का जोहर बिखेरा हैं। इस फिल्म की पूरी कहानी विधवाओं की दुर्दशा, उनके खिलाफ होने वाले अपराध और सदियों पुरानी रीति-रिवाजों को उजागर करेगी, जो उन्हें प्रतिबंधात्मक जीवन शैली में बांधकर रहने को मजबूर करती है।

इस फिल्म में शानदार स्टार कास्ट और क्रू मेंबर्स में श्राबंती चटर्जी, सौरसेनी मैत्रा, अरिंदम सिल, रीतब्रत मुखर्जी, स्नेहा चटर्जी, मल्लिका बनर्जी, देवलीना कुमार, अनन्या बनर्जी, ऋचा शर्मा, सोही गुहा रॉय, देबोश्री गांगुली, ओइंड्रिला बोस, अरुणाव डेरी, ईशान मजूमदार, मोनालिशा बनर्जी, अनुराधा चौधरी के अलावा इस मौके पर शामिल प्रमुख अतिथियों में सुभ्रजीत मित्रा मौजूद थे। इस फिल्म की संगीत रचना आशु चक्रवर्ती द्वारा की गई है। यह फिल्म आगामी 23 फरवरी को रिलीज हो रही है।

बीएसएफ डीआइजी गुलेरिया का आइजी पद पर प्रमोशन

आरके झा, कोलकाता : पश्चिम बंगाल से लगने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा से होकर बांग्लादेश में होने वाली मवेशियों की तस्करी को पूरी तरह रूकवाने में अहम भूमिका निभाने वाले सीमा सुरक्षा बल के डीआइजी सुरजीत सिंह गुलेरिया को आखिरकार महानिरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली है। तीन बार राष्ट्रपति पुलिस पदक से अलंकृत गुलेरिया फिलहाल कोलकाता में बीएसएफ के पूर्वी कमान मुख्यालय में डीआइजी (जी) के पद पर तैनात थे, जिनके कंधे पर 4096 किलोमीटर लंबी पूरी भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा संबंधी इंटेलिजेंस की जिम्मेदारी थी। अब उन्हें आईजी (आपरेशन) के बेहद महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया गया है। बीएसएफ मुख्यालय, दिल्ली से हाल में इस बाबत आदेश जारी किया गया है। पूरे बीएसएफ में एक बेहद कर्तव्यनिष्ठ व ईमानदारी अधिकारी के तौर पर पहचान रखने वाले गुलेरिया के इंस्पेक्टर जनरल (आइजी) पद पर पदोन्नति (प्रमोशन) से यहां बल के कर्मियों में खुशी की लहर है। इसी साल गुलेरिया का रिटायरमेंट भी है। हिमाचल प्रदेश के रहने वाले हैं गुलेरिया मूलरूप से हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के देहरा तहसील के खैरिया गांव के रहने वाले गुलेरिया ने बंगाल सीमा पर लंबे समय तक सेवा दी है। पूर्वी कमान मुख्यालय में वे पिछले करीब एक साल से तैनात हैं। इससे पहले गुलेरिया कोलकाता में बीएसएफ के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर मुख्यालल में भी मार्च 2019 से जुलाई 2022 तक डीआ-इजी (जी) और प्रवक्ता के पद पर पदस्थापित रहे हैं। उस दौरान मवेशियों की तस्करी के लिए देशभर में कुख्यात रहे दक्षिण बंगाल के जिलों की सीमा से बांग्लादेश में होने वाली मवेशियों की तस्करी रोकने में उनकी बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 2019 में दक्षिण बंगाल फ्रंटियर में उनकी तैनाती के बाद से इस सीमा से गो तस्करी पूरी तरह रुक गई।पहले इसी सीमा से भारत से बांग्लादेश में 70% तक मवेशियों की तस्करी होती थी। गुलेरिया ने जम्मू कश्मीर में भी आतंकियों का सामना करते हुए उन्हें धूल चटाई थी। इस उपलब्धि पर उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से कुछ साल पहले वीरता के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी सम्मानित किया गया था। उन्हें यह वीरता पदक अक्टूबर, 2017 में कश्मीर में तैनाती के दौरान श्रीनगर एयरफील्ड के पास बीएसएफ कैंप पर हुए आत्मघाती हमले के बाद टीम के साथ मिलकर जवाबी कार्रवाई में सामरिक कौशल व अद्भुत साहस का परिचय देने के लिए प्रदान किया गया था। उस समय कश्मीर फ्रंटियर में डीआईजी (जी) गुलेरिया ने डीआइजी हरिलाल के साथ मिलकर अपनी जान की परवाह किए बिना कैंपस में मौजूद जैश- ए- मोहम्मद के आतंकियों से लोहा लेते हुए उनके मंसूबे को विफल कर दिया था। इस आपरेशन में तीन आतंकी मारे गए थे।

कैटरीना कैफ व विक्की कौशल की प्रेम कहानी

दो दिलों की दास्तान

बॉलीवुड की चकाचौंध भरी दुनिया में, जहां अक्सर सिल्वर स्क्रीन पर रोमेंटिक फेरिटेल देखने मिलती हैं, कुछ कहानियां फ़िल्म ख़तम होने के बाद भी प्रशंसकों के दिलों में बनी रहती हैं। ऐसी ही एक दिल को छूने वाली कहानी है खूबसूरत कैटरीना कैफ और करिश्माई व्यक्तित्व के धनी विक्की कौशल के बीच का तूफानी रोमांस। कमर कस लें क्योंकि हम आपको उनकी रोमांचक लव स्टोरी की रोलरकोस्टर राइड पर ले जा रहें हैं! आइए साल 2018 को याद करते हैं जब नियति ने अपना खेल दिखाया और इन दोनों सितारों की राहें आपस में जोड़ दीं। कॉफ़ी विद करण ने हमें न केवल अच्छा मनोरंजन प्रदान किया है, बल्कि एक ऐसा अवसर भी प्रदान किया है जिसमें कई रोमांस पनपने लगे। शो के दौरान करण के इस सवाल पर कि वह किसकी सबसे अच्छी तारीफ करना पसंद करेंगी, कैटरीना का जवाब था विक्की कौशल। कई लोग इस बात को उस समय के रूप में बताते हैं जब उनके बीच पहली बार तार छिड़ना शुरू हुआ था। एक अन्य एपिसोड में, जब करण ने विक्की को यह बताया, तो कैटरीना की प्रतिक्रिया सुनने के बाद अभिनेता जैसे की आश्चर्य में बेहोश ही हो गया वैसी प्रतिभावना दी। फ़िल्म कंपेनियन के इस इंटरव्यू में पहली बार दोनों का एक साथ इंटरव्यू लोगों को देखने मिला। जब वे बात करते थे तो ऐसा लगता था जैसे वे सिर्फ़ दोस्त हैं, लेकिन गुप्त रूप से उनके बीच रोमांस पनप रहा था। हालांकि इंटरव्यू के दौरान विकी की लगातार उसकी ओर जैसे देख रहा था इससे यह समझ आ जाना चाहिए था। वह उससे पूरी तरह मोहित लग रहा था।

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उतरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 8902221434 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)